

# **Subject : Third Language Sanskrit (TLS)**

## **MODEL QUESTION SET – 2**

### **OBJECTIVE**

**Time : 1 Hour**

**Full Marks : 50**

शुद्धम् उत्तरं चिनुत ।

1. अन्धः उपमन्युः गच्छन् कुत्र अपतत् ?

- |           |            |
|-----------|------------|
| (A) गर्ते | (B) मार्गे |
| गर्ते     | मार्गे     |
| (C) कूपे  | (D) तडागे  |
| कूपे      | तडागे      |

2. क्षुधार्तः उपमन्युः वने कानि अभक्षयत् ?

- |                  |                  |
|------------------|------------------|
| (A) फलानि        | (B) अर्कपत्राणि  |
| फलानि            | अर्कपत्राणि      |
| (C) विल्वपत्राणि | (D) तुलसीपत्राणि |
| विल्वपत्राणि     | तुलसीपत्राणि     |

3. उपाध्यायः गोरक्षणाय कं प्रेषयति स्म ?

- |               |              |
|---------------|--------------|
| (A) उपमन्युम् | (B) धौम्यम्  |
| उपमन्युम्     | धौम्यम्      |
| (C) आरुणिम्   | (D) एकलव्यम् |
| आरुणिम्       | एकलव्यम्     |

4. कदाचित् वने भ्रमन् कः समायातः ?

- |                  |              |
|------------------|--------------|
| (A) शृगालः       | (B) सिंह     |
| शृगालः           | सिंह         |
| (C) एकः व्याघ्रः | (D) अरण्यगजः |
| एकः व्याघ्रः     | अरण्यगजः     |

5. शृगालशिशुः सिंह्या: कतमः पुत्रः अभवत् ?  
 (A) प्रथमः पृथमैः  
 (B) द्वितीयः द्वितीयैः  
 (C) तृतीयः तृतीयैः  
 (D) चतुर्थः चतुर्थैः
6. वने भ्रमतोऽपि तस्य कः अस्तं गतः ?  
 (A) रविः रविः  
 (B) गगनः गगनैः  
 (C) हिमांशुः हिमांशुः  
 (D) धर्मः धर्मैः
7. विवेकानन्दस्य कस्मिन् पूर्णविश्वासः जातः ?  
 (A) पितरि पितरि  
 (B) मातरि मातरि  
 (C) विश्वनाथे विश्वनाथे  
 (D) रामकृष्णे रामकृष्णे
8. उत्तममानवः भवितुं विवेकानन्दः कां पूजयितुं कथयति ?  
 (A) पितरम् पितरम्  
 (B) मातरम् मातरम्  
 (C) गुरुम् गुरुम्  
 (D) मित्रम् मित्रम्
9. भुवनेश्वरीदेवी विवेकानन्दं स्नेहेन किम् आहूतवती ?  
 (A) विलु विलु  
 (B) वेलु वेलु  
 (C) बुलु बुलु  
 (D) वालु वालु
10. कः एकः विचित्रः ग्रहः ?  
 (A) मङ्गलः मङ्गलैः  
 (B) पृथिवी पृथिवै  
 (C) बृहस्पतिः बृहस्पतिः  
 (D) बुधः बुधैः

11. किं परितः आवरणं पर्यावरणं भवति ?
- |                    |                                |
|--------------------|--------------------------------|
| (A) देशम्<br>देशम् | (B) वायुमण्डलम्<br>वायुमण्डलम् |
| (C) जगत्<br>जगत्   | (D) आकाशम्<br>आकाशम्           |
12. कः अस्माकं पिता ?
- |                      |                    |
|----------------------|--------------------|
| (A) अग्निः<br>अग्निः | (B) वायुः<br>वायुः |
| (C) वरुणः<br>वरुणः   | (D) आकाशः<br>आकाशः |
13. कुत्र वर्णचित्रितः मृत्तिकामयूरः तिष्ठति ?
- |                          |                  |
|--------------------------|------------------|
| (A) आश्चर्मे<br>आश्चर्मे | (B) उटजे<br>उटजे |
| (C) गृहे<br>गृहे         | (D) वने<br>बने   |
14. रक्षाकरणके का औषधिः आसीत् ?
- |                          |                              |
|--------------------------|------------------------------|
| (A) संजीवनी<br>संजीवनी   | (B) विशल्यकरणी<br>विशल्यकरणी |
| (C) अपराजिता<br>अपराजिता | (D) चन्द्रवटी<br>चन्द्रवटी   |
15. “स्पृहयामि खलु दुर्लिलाताय अस्मै” इति कः उक्तवान् ?
- |                            |                      |
|----------------------------|----------------------|
| (A) दुष्यन्तः<br>दुष्यन्तः | (B) मारीचः<br>मारीचः |
| (C) सर्वदमनः<br>सर्वदमनः   | (D) ऋषिजनः<br>ऋषिजनः |
16. नारी कस्य भायं प्राप्नोति ?
- |                        |                      |
|------------------------|----------------------|
| (A) पितुः<br>पितुः     | (B) मातुः<br>मातुः   |
| (C) भ्रातुः<br>भ्रातुः | (D) भर्तुः<br>भर्तुः |

17. दशरथः कस्यै द्वौ वरौ दत्तवान् ?
- (A) कैकेयै  
कैकेयै४
- (B) सुमित्रायै  
सुमित्रायै४
- (C) कौशल्यायै  
कौशल्या४
- (D) सीतायै  
सीता४
18. पित्रा कः यौवराज्ये नियोजितः ?
- (A) रामः  
राम४
- (B) भरतः  
भरत४
- (C) लक्ष्मणः  
लक्ष्मण४
- (D) शत्रुघ्नः  
शत्रुघ्न४
19. वने वसतः कति दोषाः सन्ति ?
- (A) एकः  
एक४
- (B) त्रयः  
त्रय४
- (C) बहवः  
बहव४
- (D) पञ्च  
पञ्च
20. केषाम् आज्ञाया सीता रामेण सह वनं गमिष्यति ?
- (A) स्वजनानाम्  
स्वजनानाम्
- (B) बन्धुजनानाम्  
बन्धुजनानाम्
- (C) सखीजनानाम्  
सखीजनानाम्
- (D) गुरुजनानाम्  
गुरुजनानाम्
21. कः असाधुः कथ्यते ?
- (A) निर्दयः  
निर्दय४
- (B) नास्तिकः  
नास्तिक४
- (C) अल्पजः  
अल्पज४
- (D) क्रोधी  
क्रोधी४
22. कीदृशः पुरुषः मृतः स्यात् ?
- (A) कृपणः  
कृपण४
- (B) दरिद्रः  
दरिद्र४
- (C) मूर्खः  
मूर्ख४
- (D) असुस्थः  
असुस्थ४

23. अहनि अहनि भूतानि कुत्र गच्छन्ति ?
- (A) देवालयम्  
देवालयम्  
(C) यमालयम्  
यमालयम्
- (B) लोकालयम्  
लोकालयम्  
(D) देशान्तरम्  
देशान्तरम्
24. कः मूर्खः उच्यते ?
- (A) निर्दयः  
निर्दयः  
(C) कृपणः  
कृपणः
- (B) निर्धनः  
निर्धनः  
(D) नास्तिकः  
नास्तिकः
25. प्रवसतः मित्रं किम् ?
- (A) भार्या  
भार्या  
(C) भिषक्  
भिषक्
- (B) विद्या  
विद्या  
(D) दानम्  
दानम्
- संधिगतं / संधिविच्छेदगतं वा शुद्धम् उत्तरं चिनुत :
26. एकस्यापि :
- (A) एकस्य + अपि  
एकस्य + अपि  
(C) एकस्या + अपि  
एकस्या + अपि
- (B) एक + स्यापि  
एक + स्यापि  
(D) एक + यापि  
एक + यापि
27. वसुधैव :
- (A) वसुध + ऐव  
वसुध + ऐव  
(C) वसुधा + एव  
वसुधा + एव
- (B) वसुधा + ऐव  
वसुधा + ऐव  
(D) वसु + धैव  
वसु + धैव
28. सिंहोऽपि :
- (A) सिंह + अपि  
सिंह + अपि  
(C) सिंहः + पि  
सिंहः + पि
- (B) सिंहाः + अपि  
सिंहाः + अपि  
(D) सिंहः + अपि  
सिंहः + अपि

29. नृप + उद्यते :

- |               |                |
|---------------|----------------|
| (A) नृपैद्यते | (B) नृपाद्यते  |
| नृपोद्यप्ते   | नृपाद्यप्ते    |
| (C) नृपौद्यते | (D) नृपोऽद्यते |
| नृपोद्यप्ते   | नृपोऽद्यप्ते   |

30. पचति + इति :

- |             |            |
|-------------|------------|
| (A) पचतीति  | (B) पचतीति |
| पचतिष्ठि    | पचतिष्ठि   |
| (C) पचत्यति | (D) पचतीति |
| पचतिष्ठि    | पचतिष्ठि   |

रेखांडिकतपदानां कारकविभक्तिगतं शुद्धमुत्तरं चिनुत :

31. वत्स ! इममपूर्णं भक्षय :

- |                     |                         |
|---------------------|-------------------------|
| (A) कर्त्तरि प्रथमा | (B) उक्ते कर्मणि प्रथमा |
| कर्त्तरि प्रथमा     | उक्ते कर्मणि प्रथमा     |
| (C) सम्बोधने प्रथमा | (D) अव्यययोगे प्रथमा    |
| सम्बोधने प्रथमा     | अव्यययोगे प्रथमा        |

32. त्वया बालोऽयमिति विचिन्त्य न हतः :

- |                    |                             |
|--------------------|-----------------------------|
| (A) करणे तृतीया    | (B) हेतौ तृतीया             |
| करणे तृतीया        | हेतौ तृतीया                 |
| (C) सहार्थे तृतीया | (D) अनुक्ते कर्त्तरि तृतीया |
| सहार्थे तृतीया     | अनुक्ते कर्त्तरि तृतीया     |

33. स रामकृष्णपरमहंसं निकषा गत्वा पृष्ठवान् :

- |                             |                            |
|-----------------------------|----------------------------|
| (A) कर्मणि द्वितीया         | (B) व्याप्त्यर्थे द्वितीया |
| कर्मणि द्वितीया             | व्याप्त्यर्थे द्वितीया     |
| (C) निकषा शब्दयोगे द्वितीया | (D) क्रियाविशेषणे द्वितीया |
| निकषा शब्दयोगे द्वितीया     | क्रियाविशेषणे द्वितीया     |

34. प्राणवायुद्वारा जीवनस्य संचारः :

- |                     |                   |
|---------------------|-------------------|
| (A) अनादरे षष्ठी    | (B) शेषे षष्ठी    |
| अनादरे षष्ठी        | शेषे षष्ठी        |
| (C) निर्धारणे षष्ठी | (D) कृदयोगे षष्ठी |
| निर्धारणे षष्ठी     | कृदयोगे षष्ठी     |

35. रोचते मह्यम् एषः भद्रमयूरः :

- |                               |                       |
|-------------------------------|-----------------------|
| (A) रुच्यर्थकधातुयोगे चतुर्थी | (B) संप्रदाने चतुर्थी |
| रुच्यर्थकधातुयोगे चतुर्थी     | संप्रदाने चतुर्थी     |
| (C) निमित्तार्थे चतुर्थी      | (D) तुम् लोपे चतुर्थी |
| निमित्तार्थे चतुर्थी          | तुम् लोपे चतुर्थी     |

शुद्धं विग्रहवाक्यं/समस्तपदं/समासनाम वा चिनुत :

36. गुरुभक्त्या :

- |                      |                      |
|----------------------|----------------------|
| (A) गुरोः भक्त्या    | (B) गुरौ भक्तिः तथा  |
| गुरोः भक्त्या        | गुरौ भक्तिः तथा      |
| (C) गुरवे भक्तिः तथा | (D) गुरुं भक्तिः तथा |
| गुरवे भक्तिः तथा     | गुरुं भक्तिः तथा     |

37. कोपाविष्टः :

- |                   |                   |
|-------------------|-------------------|
| (A) कोपेन आविष्टः | (B) कोपम् आविष्टः |
| कोपेन आविष्टः     | कोपम् आविष्टः     |
| (C) कोपे आविष्टः  | (D) कोपाय आविष्टः |
| कोपे आविष्टः      | कोपाय आविष्टः     |

38. संसारः एव सागरः तस्मिन् :

- |                 |                  |
|-----------------|------------------|
| (A) संसारसागरः  | (B) संसारसागरे   |
| संसारसागरः      | संसारसागरे       |
| (C) संसारसागराय | (D) संसारसागरस्य |
| संसारसागराय     | संसारसागरस्य     |

39. धर्मे आत्मा यस्य सः :

- |               |                |
|---------------|----------------|
| (A) धर्मआत्मा | (B) धर्मयात्मा |
| धर्मआत्मा     | धर्मयात्मा     |
| (C) धर्मात्मा | (D) धर्मात्मः  |
| धर्मात्मा     | धर्मात्मः      |

40. महावरौ :

- |                              |                            |
|------------------------------|----------------------------|
| (A) बहुव्रीहिः<br>बहुव्रीहिः | (B) द्विगुः<br>द्विगुः     |
| (C) तत्पुरुषः<br>तत्पुरुषः   | (D) कर्मधारयः<br>कर्मधारयः |

शुद्धं प्रकृतिगतं प्रत्ययगतं वा उत्तरं चिनुत :

41. शक्तिः = \_\_\_\_\_ + किन् ।

- |                |                |
|----------------|----------------|
| (A) शक्<br>शक् | (B) शच्<br>शच् |
| (C) सक्<br>सक् | (D) सत्<br>सत् |

42. निधातुम् = नि + धा + \_\_\_\_\_ ।

- |                  |                      |
|------------------|----------------------|
| (A) तुम्<br>तुम् | (B) तुमुन्<br>तुमुन् |
| (C) किन्<br>किन् | (D) क्त<br>क्त       |

43. भोजनम् = \_\_\_\_\_ + ल्युट् ।

- |                  |                  |
|------------------|------------------|
| (A) भोज्<br>भोज् | (B) भज्<br>भज्   |
| (C) भुज्<br>भुज् | (D) भूज्<br>भूज् |

44. संबोधः = सम् + बुध् + \_\_\_\_\_ ।

- |                  |                |
|------------------|----------------|
| (A) क्त<br>क्त   | (B) अच्<br>अच् |
| (C) किन्<br>किन् | (D) घञ्<br>घञ् |

45. त्यक्तव्यम् \_\_\_\_\_ + तव्य ।

- |                      |                    |
|----------------------|--------------------|
| (A) त्याग्<br>त्याग् | (B) त्यज्<br>त्यज् |
| (C) त्याज्<br>त्याज् | (D) त्यक्<br>त्यक् |

**स्त्रीप्रत्यगतं शुद्धम् उत्तरं चिनुत :**

46. शिक्षक = \_\_\_\_\_ |

- |              |              |
|--------------|--------------|
| (A) शिक्षिका | (B) शिक्षका  |
| शीक्षिका     | शीक्षका      |
| (C) शिक्षकी  | (D) शिक्षीका |
| शीक्षकी      | शीक्षीका     |

47. ईश्वर = \_\_\_\_\_ |

- |              |              |
|--------------|--------------|
| (A) ईश्वराणि | (B) ईश्वरी   |
| ऐश्वर्य      | ऐश्वरी       |
| (C) ईश्वराणी | (D) ईश्वरायी |
| ऐश्वराणी     | ऐश्वरायी     |

48. गच्छत् = \_\_\_\_\_ |

- |              |              |
|--------------|--------------|
| (A) गच्छता   | (B) गच्छती   |
| गङ्छता       | गङ्छती       |
| (C) गच्छन्ति | (D) गच्छन्ति |
| गङ्छन्ति     | गङ्छन्ति     |

49. राजन् = \_\_\_\_\_ |

- |            |            |
|------------|------------|
| (A) राजनी  | (B) राजानी |
| राजनी      | राजानी     |
| (C) राज्ञी | (D) राज्ञी |
| राज्ञी     | राज्ञी     |

50. भवस्य पत्नी = \_\_\_\_\_ |

- |            |          |
|------------|----------|
| (A) भवानी  | (B) भवनी |
| भवानी      | भवनी     |
| (C) भवनानी | (D) भवा  |
| भवनानी     | भवा      |



# **Subject : Third Language Sanskrit (TLS)**

## **MODEL QUESTION SET – 2**

### **SUBJECTIVE**

**Time : 1 Hour 30 Minutes**

**Full Marks : 50**

1. प्रायशः वाक्यत्रयेण निजभाषया उत्तरं लिखतः :  $5 \times 2 = 10$

(i) कथं शृगालशिशुः स्वजात्या मिलितः ?

अथवा

उपमन्युः कथं चक्षुष्मान् अभवत् ?

(ii) विवेकानन्दः कथं विश्वप्रसिद्धः अभवत् ?

अथवा

प्रथमा तापसी सर्वदमनस्य नामकरणविषये किम् अवदन् ?

2. प्रायशः वाक्यत्रयेण निजभाषया उत्तरं कुरुतः :  $5 \times 2 = 10$

(i) कथं भरतस्य विप्रियं न कर्तव्यम् इति रामः अवदत् ?

अथवा

सीतायाः मृत्युकारणं कथं किं वा भविष्यति ?

(ii) संसारे किम् आश्चर्यकरम् ?

अथवा

किं किं कस्य कस्य मित्रम् ?

3. अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि संक्षेपेण लिखतः :  $2 \times 5 = 10$

एकस्मिन् सरोवरे कश्चित् कच्छपः प्रति वसति स्म । मूषिकः काकः मृगश्चैते त्रयः तस्य सखायः आसन् । एकदा स्थलमार्गेण अन्यं जलाशयं प्रति कच्छपः गच्छति स्म । तं कश्चित् व्याधः वद्धवा स्कन्धे संस्थाप्य गृहं गन्तुम् उद्यतः । अथ मूषिकादयः बन्धुं विपद्ग्रस्तं दृष्ट्वा दुःखिताः । ते कच्छपं मोचयितुम् उपायं चिन्तितवन्तः । उपायम् अनुसृत्य मृगः जलाशयस्य समीपे मृतवत् अप तत् । काकश्च तस्योपरि उपविश्य

चच्चा विलिखति स्म | अथ भ्रमणकारणात् तृष्णार्तः व्याधः सरोवरात् जलं पीत्वा अदूरे पतितं मृगम् अपश्यत् ।  
 अतः पं जलाशयस्य समीपे कच्छपं निधाय मृगसमीस गतः | अस्मिन् अवसरे मूषिकः आगत्य कच्छपस्य  
 बन्धनम् अच्छिनत् । ततः बन्धनमुक्तः कच्छपः जलाशयं प्रविष्टः | मृगकाकौ अपि आगच्छन्तं व्याधं दृष्ट्वा सत्वरं  
 पलायितौ । अथ स व्याधः मृगलोभेन पूर्वगृहीतं कच्छपं न प्राप्तवान् । अतः व्याधः निराशः सन् गृहं  
 प्रस्थितः । सुषु उक्तम् ।  
 यो ध्रुवाणि परित्यज्य अध्रुवाणि निषेवते ।

ध्रुवाणि तस्य नश्यन्ति अध्रुवं नष्टमेव हि ॥

#### प्रश्नाः

(i) एकस्मिन् सरोवरे कः प्रतिवसति स्म ।

(ii) कदा व्याधः मृगम् अपश्यत् ?

(iii) कच्छपस्य के के बान्धवाः आसन् ?

(iv) व्याधः कथं तृष्णातुरः अभवत् ?

(v) कच्छपः स्थलमार्गेण कुत्र अगच्छत् ?

4. अधोलिखितेषु पंचानां वाक्यानां संस्कृतेन अनुवादः कार्यः ।

$2 \times 5 = 10$

(i) बापा प्रुष्ठिदिन ओषध खाआळि ।

(ii) मद्दिर निकटरे पूष्ट्रिणी अळि ।

(iii) मोठे पळ भललागे नाहीँ ।

(iv) घाप नेहलकु उरे ।

(v) भारतर उउररे हिमालय अळि ।

(vi) मुँ दिनरे ढिनिथर खाए ।

(vii) ग्रामर मळिरे बिद्यालय अळि ।

(viii) पितामह स्त्रावरे सरल अचक्ति ।

5. अधोलिखितेषु पंच पदानि व्यवहृत्य संस्कृतभाषया पंच वाक्यानि रचयत :

$2 \times 5 = 10$

(i) पुरतः =

(ii) रक्षति =

(iii) इति =

(iv) ददाति =

(v) सर्वतः =

(vi) निकषा =

(vii) अलम् =

(viii) सह =



**SUBJECT – THIRD LANGUAGE SANSKRIT (TLS)****Scoring Keys Model Question Paper – (Objective) SET-2**

Question No	Answer Key	Question No	Answer Key
1	C	26	A
2	B	27	C
3	A	28	D
4	D	29	A
5	C	30	B
6	A	31	C
7	D	32	D
8	B	33	C
9	A	34	D
10	B	35	A
11	C	36	B
12	D	37	A
13	B	38	B
14	C	39	C
15	A	40	D
16	D	41	A
17	A	42	B
18	B	43	C
19	C	44	D
20	D	45	B
21	A	46	A
22	B	47	B
23	C	48	C
24	D	49	D
25	B	50	A